Tender Heart High School, Sector-33 B Chandigarh

कक्षा - दूसरी विषय - हिन्दी

उपविषय - पाठ -12 'पत्तों का खेल' टीचर - सुमन शर्मा

पुस्तक - नवतरंग - 2

यह कार्य कक्षा - दूसरी, विषय - हिन्दी, पाठ्य-पुस्तक नवतरंग - 2, पाठ -12 'पत्तों का खेल' से लिया गया है। यह कार्य आपको 20 जनवरी, 2025 को भेजा जाएगा।

प्यारे बच्चो! अब आप सब अपनी - अपनी पुस्तक का पेज नं० 84 खोल लें। इस कविता में भिन्न-भिन्न प्रकार के पत्तों के बारे बताया गया है। पत्तों के रूप और प्रकार से ही पेड़ का पता चलता है कि पेड़ कौन-सा है। बच्चों, क्या आप जानते हैं कि पत्ते ही पेड़ के लिए भोजन बनाते हैं इसलिए हमें बिना किसी कारण पेड़-पौधों के पत्तों को नहीं तोड़ना चाहिए।

1. तरह - तरह के पत्ते लाकर, आओ खेलें खेल।
मैं पीपल का कोमल - कोमल,
चिकना - चिकना पत्ता लाऊँ।
और बनाऊँ उसका बाजा,
पीं - पीं - पीं - पीं उसे बजाऊँ।
मेरे पीछे तुम सब चलना, बन जाएगी रेल।

अर्थ → इन पंक्तियों में कवि पत्तों के साथ खेलने का न्यौता अर्थात् बुलावा दे रहे हैं। कवि कह रहे हैं कि तरह - तरह के पत्ते लेकर आओ ताकि हम उनके साथ खेल, खेल सकें। पीपल के पत्ते के बारे में बताते हुए कहते हैं कि यह पत्ता बहुत कोमल व चिकना होता है। मैं यह पत्ता लेकर आऊँगा और उसका बाजा बनाऊँगा और पीं - पीं करके उसे बजाऊँगा भी। मेरे पीछे -

कक्षा - दूसरी Date 6.2.2023 विषय - हिन्दी

उपविषय - पाठ-12 (पत्तों का खेल) टीचर - सुमन शर्मा

पीछे तुम सब भी चलना, जिससे एक रेल-सी बन जाएगी। इस प्रकार हम सब पत्तों के मज़ेदार खेल खेलेंगे।

2. लाऊँ मैं बरगद का पत्ता,
इतना मोटा जितना गत्ता।
इस पत्ते का पत्र बनाकर,
भेजूँगा सीधे कलकत्ता।
बरगद के पत्ते की चिट्ठी, ले जाएगी मेल।

अर्थ → इन पंक्तियों में कवि कह रहे हैं कि मैं एक पत्ता बरगद के पेड़ का लाता हूँ। यह पत्ता इतना मोटा है, जितना गत्ता मोटा होता है। मैं इस पत्ते का पत्र अर्थात् चिट्ठी बनाकर सीधे कलकत्ता भेजूँगा। यह बरगद के पत्ते की बनी हुई चिट्ठी, मेल ले जाएगी।

3. अहा, नीम की पत्ती भाई,
अरे, कभी क्या तुमने खाई?
इसकी टहनी दातुन बनती,
और छाल से बने दवाई।

अर्थ → इन पंक्तियों में कवि पूछ रहे हैं कि क्या कभी तुमने नीम की पत्तियाँ खाई हैं? अर्थात् नीम की पत्तियाँ बहुत कड़वी व लाभदायक होती हैं। इस पेड़ की पतली-पतली शाखाएँ, दाँत साफ़ करने के काम आती हैं। नीम की डाल की पतली सतह से दवाई बनाई जाती हैं। कवि नीम के फल के बारे में बताते हुए कह रहे हैं कि इसके फल से कड़वा तेल बनता है। अर्थात् नीम के पेड़ की हर चीज़ चाहे कड़वी होती है लेकिन हमारे लिए बहुत लाभकारी होती है।

कक्षा - दूसरी विषय - हिन्दी

उपविषय - पाठ-12 (पत्तों का खेल) टीचर - सुमन शर्मा

प. अरे, आम का पत्ता अच्छा,
लगता ज्यों तोते का बच्चा।
इसी डाल पर आम लगा है,
मगर अभी तो है वह कच्चा।
माली से बिन पूछे तोड़ा, तो बिगड़ जाएगा खेल।

अर्थ → इन पंक्तियों में कवि ..... आम के पत्ते के बारे में बताते हुए कह रहे हैं कि आम का पत्ता तोते के बच्चे के साथ मिलता-जुलता लगता है अर्थात् तोते के बच्चे जैसा लगता है। आम के पेड़ की शाखाओं पर आम लगे हैं। मगर अभी वह कच्चे ही लग रहे हैं। यदि आम को माली से बिना पूछे तोड़ लिया तो वह हमें डाँटेगा और सारी बात बिगड़ जाएगी।

गृहकार्य :- • उपर्युक्त कविता के पाठ्यक्रम को 2-3 बार पढ़कर समझें।
• पेज नं० 86 पर दिए गए शब्द-अर्थ लिखो व याद करो।

Tender Heart High School, Sector-33B Chd.

कक्षा - दूसरी विषय - हिन्दी उपविषय - पाठ 12

टीचर - सुमन शर्मा

पाठ -12 पत्तों का खेल (कविता)

Answer Key

शब्द - अर्थ -

1) कोमल - मुलायम

2) छाल - डाल के ऊपर की पतली सतह

3) दातुन - नीम की पतली टहनी, जिससे दाँत भी साफ़ करते हैं।

4) टहनी - पेड़ की पतली शाखाएँ

पाठ बोध

1. चित्रों के नाम लिखें और उनसे क्या बनेगा, यह भी लिखें -

- नीम की टहनी
  दातुन
- पीपल का पत्ता
  बाजा
- बरगद का पत्ता
  पत्र
- नीम की छाल
  दवाई
- नीम का फल (निबौरी)
  तेल

कक्षा - दूसरी विषय - हिन्दी उपविषय - पाठ-12

विषय अध्यापिका - सुमन शर्मा

2.* प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखें -

क) कवि बरगद के पत्ते को ही पत्र क्यों बनाना चाहते हैं?
उत्तर → 'बरगद का पत्ता' गत्ते जितना मोटा होता है, उस पर आसानी से लिखा जा सकता है इसलिए कवि बरगद के पत्ते को ही पत्र बनाना चाहता है।

ख) आम के पत्ते किस-किस काम में इस्तेमाल होते हैं?
उत्तर - आम के पत्ते पूजा के काम आते हैं।

3* इन शब्दों के वाक्य बनाएँ -

क) पेड़ - बरगद का पेड़ बहुत छायादार होता है।

ख) पत्तियाँ - नीम की पत्तियाँ बहुत कड़वी होती हैं।

ग) दतुन - नीम की दतुन से दातुन बनती है।

घ) कोमल - मेरे हाथ बहुत कोमल हैं।

(last Page)